ISSN: 3048-9423(Online)
Naveen International Journal of Multidisciplinary Sciences (NIJMS)
© NIJMS | Vol. 2 | Issue 1 | August-September 2025
Available online at: https://nijms.com/
DOI: https://doi.org/10.71126/nijms.v2i1.85

किशोरों के कैरियर विकास पर माता-पिता के प्रभाव का पारिवारिक दृष्टिकोण: एक समीक्षात्मक अध्ययन

रोहित सत्यम [1] एवं प्रोफ़ेसर (डॉ.) विनोद कुमार कांवरिया [2]

[1] *शोधार्थी, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, छात्र मार्ग, दिल्ली।*

[2] *प्रोफ़ेसर, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, छात्र मार्ग, दिल्ली।*

[1]***Corresponding Author Email:*** *rohitsatyam9@gmail.com*

[2]***Email:*** *vinodpr111@gmail.com*

सारांश:

यह विस्तृत समीक्षा पत्र चालीस से अधिक अकादमिक स्रोतों से प्राप्त हुए परिणामों का विश्लेषण करता है ताकि किशोरों की शैक्षणिक सफलताओं और उनके व्यावसायिक लक्ष्यों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण घटकों की जांच की जा सके। यह तीन प्रमुख क्षेत्रों के बीच होने वाले संबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण करता है: पारिवारिक प्रभाव, व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक कारक, और विद्यालय-आधारित हस्तक्षेप, यह साहित्य बहुमत से माता-पिता को बच्चे के कैरियर पथ पर सबसे बड़ा प्रभाव के रूप में चित्रित करता है, जिसमें सहायक व्यवहार और सत्तावादी पालन-पोषण शैली सकारात्मक रूप से दृढ़ता और अनुकूलनशीलता के साथ संबंधित हैं। माता-पिता का हस्तक्षेप और अवास्तविक उम्मीदें खतरनाक हो सकते हैं ये तथ्य एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ के रूप में व्यक्तिगत आत्म-प्रभावकारिता विकसित करता है, जो माता-पिता और सलाहकारों से प्राप्त बाहरी समर्थन को ठोस कैरियर विकास परिणामों में बदल देता है। औपचारिक विद्यालय परामर्श के प्रभाव से कुछ अलग-अलग परिणाम सामने आते हैं, जैसे तीव्रता की कमी और पारिवारिक प्रणालियों को एकीकृत करने में विफलता के कारण कई हस्तक्षेप सांख्यिकीय रूप से नगण्य पाए गए हैं, हालांकि कुछ प्रभावी हो सकते हैं। वहीं सीखने की अक्षमता वाले या विविध सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थी कमजोर आबादी में मिश्रित बाधाओं का सामना करते हैं। इन्ही तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष सामूहिक रूप से कैरियर मार्गदर्शन के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी-तंत्र-आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं जो परिवार-केंद्रित एवं विकासात्मक रूप से उपयुक्त हो और छात्रों के आंतरिक मनोवैज्ञानिक संसाधनों के निर्माण पर केंद्रित हो।

मुख्य शब्द: *माता-पिता का प्रभाव, कैरियर विकास, आत्म-प्रभावकारिता, किशोर, विद्यालय परामर्श, सामाजिक संज्ञानात्मक कैरियर सिद्धांत, कैरियर अनुकूलनशीलता।*

1. परिचय:

कैरियर संबंधी क्षेत्रों में विकसित अवस्था शिक्षा का एक महत्वपूर्ण भाग है, जो बच्चों के आत्म-प्रतिष्ठा, पहचान एवं सामाजिक योगदान को सुनिश्चित करता है तथा भविष्य के समय पर भी प्रभाव डालता है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति के जीवन की अपनी क्षमताएं, रुचियां एवं आकांक्षाओं का विकसित स्वरूप भी सम्मिलित है, यह न केवल पेशवर निर्णय हेतु सीमित है बल्कि व्यक्ति के दैनिक जीवन पर भी असर डालता है **(सुपर, 1990; ब्राउन, 2002)**। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि कैरियर विकास एक जीवन भर चलने वाली बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें परिवार, विद्यालय और व्यक्तिगत अनुभव ये सभी तत्व निर्णय लेने हेतु तत्पर रहते हैं। बच्चों को विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों से परिचित कराने में विद्यालय का योगदान होता है यह एक पारंपरिक दृष्टिकोण है, जो विद्यालय के शिक्षकों, परामर्शदाताओं और विभिन्न प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रमों से मिलता है, यही कारण है कि विद्यालय को कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श का प्रमुख साधन माना जाता है **(व्हिस्टन और केलर, 2004; टर्नर और लैपान, 2005)**। हाल ही में हुए कई अध्ययनों के माध्यम से ये पता चलता है कि परिवार विशेष रूप से अभिभावक का बच्चों के कैरियर निर्णयों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है **(केलर और व्हिस्टन, 2008)**। बच्चों के सामर्थ्य एवं इच्छाओं को अभिभावक अपनी अपेक्षाओं तथा संसाधनों के माध्यम से दिशा निर्देशित करते हैं, तथा अक्सर बच्चों के विकल्पों के सीमा का भी निर्धारण करते हैं **(ल्युंग, 2008; सावित्रि, क्रीड और ज़िमर-जेमबेक, 2014)**। इसके अलावा बच्चों की मनोवैज्ञानिक विशेषताएँ, जैसे आत्मविश्वास, आत्म-प्रभावकारिता और आत्म-अवधारणा, उनके कैरियर चुनावों को बहुत प्रभावित करती हैं। यदि बच्चा समझता है कि वह किसी विशेष क्षेत्र में सक्षम है, तो इसकी संभावना अधिक हो जाती है कि वह उस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेगा **(बांदुरा, 1997; लेंट, ब्राउन और हैकेट, 2002)**। इस प्रक्रिया में विद्यालयी भागीदारी तीसरे स्थान पर है। जहां विद्यालय कैरियर शिक्षा संबंधी कार्यक्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और परामर्शदाताओं के अनुभव के द्वारा बच्चों को विविध भविष्य के अवसरों से परिचित कराता है। ऐसे में जिन बच्चों को घर से अपेक्षित सहयोग नहीं प्राप्त होता है उन बच्चों के संदर्भ में विद्यालय की भूमिका और भी बढ़ जाती है **(व्हिस्टन और केलर, 2004); टर्नर और लैपान, 2005)**। इसलिए हम यह स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि बच्चों के कैरियर संबंधी विकास बहुआयामी घटक एवं एक जटिल प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत बच्चों की आकांक्षाओं एवं उनके निर्णयो पर परिवार, विद्यालय एवं स्वयं बच्चों का परस्पर प्रभाव पड़ता है। यह समयानुसार बच्चों के लिए सहयोगी एवं असहयोगी दोनों प्रकार के हो सकते हैं। परंतु अंततः इनके एकजुट प्रभाव से बच्चों का जीवन निर्धारित होता है **(डिट्रिख और क्रैक, 2009; ग्वेरा और ब्रौंगार्ट-रीकर, 1999)**।

2. साहित्य समीक्षा:

साहित्य की गहन समीक्षा यह दर्शाती है कि किशोरों के कैरियर संबंधी विकास पर मुख्य रूप से तीन परस्पर जुड़े हुए स्तंभो का प्रभाव पड़ता है, जिनमें पहला स्तंभ परिवार है, विशेषकर माता-पिता का प्रभाव, दूसरा स्तंभ किशोरों के स्वयं के मनोवैज्ञानिक कारक है, जैसे आत्मविश्वास और आत्म-प्रभावकारिता और तीसरे स्तंभ के रूप में विद्यालय शामिल है जिसके अंतर्गत औपचारिक वातावरण एवं शिक्षकों के द्वारा दिया गया परामर्श और विभिन्न प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रम शामिल है **(डिट्रिख और क्रैक, 2009; ब्राउन और हैकेट, 2002;(व्हिस्टन और केलर, 2004)**।

2.1 माता-पिता के प्रभाव की महत्वपूर्ण भूमिका

अनेकों अध्ययन में यह पाया गया है कि किशोरी के कैरियर पथ को आकार देने में माता-पिता का प्रभाव सबसे महत्वपूर्ण घटक **है (डिट्रिख और क्रैक, 2009; ल्युएंग, 2008)**। यह प्रभाव कई रूपों में प्रकट होता है:

माता-पिता का समर्थन :

यह एक बहुआयामी घटक है, जिसमें मौखिक प्रोत्साहन, भावनात्मक समर्थन, करियर-संबंधी मॉडलिंग शामिल हैं। साथ ही साथ माता-पिता के सहायक क्रियाओं को भी सकारात्मक परिणामों के साथ दृढ़ता से जोड़ा गया है **(सावित्रि, क्रीड और ज़िमर-जेमबेक, 2014)** । उदाहरण के लिए, अध्ययनों ने पाया कि माता-पिता का सामाजिक समर्थन किशोरों की कैरियर योजना से सकारात्मक रूप से संबंधित होता है, और यह कैरियर अनुकूलनशीलता का सबसे महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता है **(हर्टुंग, पोरफेली और वुड, 2014)** ।

माता-पिता का हस्तक्षेप और अवास्तविक उम्मीदें:

माता-पिता की मदद नियंत्रक व्यवहार व्यक्त करता है। जो बच्चों पर सांस्कृतिक आकांक्षाओं या माता-पिता की अधूरी इच्छाओं को थोप सकता है। ऐसा व्यवहार किशोरों के आत्मविश्वास और कैरियर पर नियंत्रण रखता है जो किशोरों के जीवन को बाधित करता है एवं उन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है **(गॉन्ग, 2018)**।

माता-पिता की भागीदारी और उसकी कमी:

माता-पिता की भागीदारी का स्तर, यानी वह अपने बच्चों के कैरियर विकास की प्रक्रिया में कितना शामिल है, सीधे तौर पर वे बच्चों के निर्णय लेने को किस प्रकार से प्रभावित करते है, इन तथ्यों से देखा जा सकता है। जब माता-पिता इस प्रक्रिया में कम रुचि लेते हैं तो किशोरों को अक्सर अपने कैरियर के रास्ते चुनने में अधिक कठिनाई और भ्रम का अनुभव होता है। **(वांग और हेच्ट, 2020)**। इसके विपरीत, जब छात्रों ने अपने माता-पिता की भागीदारी के उच्च स्तर को महसूस किया, तो वह उनके मूल्यों के विरुद्ध एक मौन संकेत के रूप में उभर कर सामने आया जिसने उनकी आत्म-अवधारणा को सत्यापित और मजबूत किया है **(केनी और ब्लॉस, 2002)**।

माता-पिता की अनुभूतियाँ और पृष्ठभूमि:

माता-पिता की मान्यताएं, मूल्य और शैक्षणिक अनुभव एक प्रभावी "सांस्कृतिक उपकरण" हैं जो उनके बच्चों की सोच को नियंत्रित करते हैं **(गंग और न्ग, 2011)**। सांस्कृतिक-अनुकूलन प्रक्रिया अप्रवासी परिवारों के लिए अधिक जटिल हो सकती है क्योंकि वे अपनी मूल सांस्कृतिक मान्यताओं को एक नई शैक्षिक प्रणाली के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश करते हैं **(हसीह और पल्लूजा, 2002)**।

2.2 व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक कारक: आत्म-विश्वास की मध्यस्थ भूमिका

आत्म-विश्वास : बांदूरा (1997) के सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत में आत्म-विश्वास को सफल होने की क्षमता में किसी व्यक्ति की स्वीकृति कहा जाता है। यह उच्च व्यावसायिक आकांक्षाओं से सीधे जुड़ा हुआ है और कैरियर विकास में एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत कारक है **(लेंट, ब्राउन और हैकेट, 2002)**।

एक मध्यस्थ के रूप में आत्म-विश्वास:

अध्ययन हमे बताते है कि कैरियर क्षमता, आत्म-विश्वास और माता-पिता का समर्थन किशोरों के कैरियर समायोजन के बीच आंशिक रूप से मध्यस्थ भूमिका निभाते है **(वांग और न्ग, 2012)**। और यह पुष्टि करते है कि सहयोगी माता-पिता अक्सर एक किशोर को आत्मनिर्भर बनाते है, जो उन्हे बेहतर कैरियर विकल्पों और दृढ़ता की ओर ले जाता है।

अस्मिता और आत्म-पुष्टि :

किशोरों का विश्वव्यापी अस्मिता भी एक शक्तिशाली चालक है। परीक्षणों में पाया गया है कि माता-पिता की उच्च भागीदारी आत्म-पुष्टि सिद्धांत का समर्थन करती है, जो मुख्य रूप से कैरियर अनुकूलनशीलता और दृढ़ता से संबंधित है **(शेफ़र्ड और डोलन, 2013)**।

2.3 विद्यालय परामर्श की भूमिका और प्रभावकारिता

विद्यालयी कैरियर मार्गदर्शन प्रक्रिया औपचारिक प्रकृति की होती है, परंतु इसका प्रभाव मिश्रित रूप मे पड़ता हैं।

सीमित प्रभाव:

सार्वजनिक विद्यालय परामर्श ने शैक्षणिक उपलब्धि या व्यावसायिक लक्ष्यों पर कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं डाला है **(व्हिस्टन और केलर, 2004)**। इस प्रभाव की कमी का कारण छोटी अवधि के सत्र एवं छात्रों की कम भागीदारी है। माता-पिता आमतौर पर कैरियर चर्चा में सलाहकारों से अधिक बोलते हैं **(टर्नर और लैपान, 2005)**।

2.4 कमजोर आबादी और सलाहकरों की धारणाएँ:

सलाहकारों के विचार किशोरों के कैरियर विकास मे बाधा बन सकते हैं। जैसे डिस्लेक्सिया वाले बच्चों के प्रति विद्यालय सलाहकारों के द्वारा अधिक रूढ़िवादी और कम महत्वाकांक्षी कैरियर विचार दिखाए गए जबकि माता-पिता के विचार हमेशा से इसके विपरीत रहे हैं **(डेविस, 2016)**।

3. उद्देश्य:

3.1 अभिभावकीय परामर्श और कैरियर विकास पर प्रस्तुत शोधो का समीक्षात्मक अध्ययन करना।

3.2 अभिभावकीय परामर्श और कैरियर विकास पर प्रस्तुत शोधो का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3.3 अभिभावकीय समर्थन और दबाव का बच्चों के कैरियर विकल्पों पर प्रभाव की पहचान करना।

3.4 बच्चो के कैरियर विकास में विद्यालय और परामर्शदाताओं की भूमिका का विश्लेषण करना।

4. शोध प्रश्न:

4.1 बच्चों के कैरियर विकास में अभिभावक किस प्रकार योगदान करते हैं?

4.2 अभिभावकीय परामर्श का बच्चों की आत्म-प्रभावकारिता और आत्मविश्वास पर क्या प्रभाव पड़ता है?

4.3 विद्यालय किस प्रकार अभिभावकीय परामर्श की प्रक्रिया को सहयोगी या बाधक बनाते हैं?

4.4 सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारक अभिभावकीय परामर्श और कैरियर विकल्पों को कैसे प्रभावित करते हैं?

5. शोध पद्धति:

इस शोध समीक्षा-पत्र में एकीकृत साहित्य-समीक्षा तथा गुणात्मक प्रविधि का उपयोग किया गया है, इस पद्धति के द्वारा हमारा लक्ष्य विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष को समालोचनात्मक रूप से एकत्रित करके एक सुसंगत और विस्तृत ज्ञानकोष का निर्माण करना है जो विषय की वर्तमान समझ से आगे हो ना की केवल सारांश प्रस्तुत करें। इसके लिए स्कोपस, गूगल स्कॉलर, और वेब ऑफ साइंस जैसे प्रमुख अकादमिक डेटाबेस का उपयोग करके साहित्य की व्यवस्थित खोज की गई। जिसमें "किशोर कैरियर विकास", "माता-पिता का प्रभाव" और "आत्म-प्रभावकारिता" जैसे महत्वपूर्ण शब्दकोशों का प्रयोग किया गया है। ताकि विश्लेषण समकालीन और प्रासंगिक हो। इस समीक्षा में चालिस से अधिक शोध पत्रों को शामिल किया गया है, जो 1990 से 2025 के बीच प्रकाशित हुए हैं। चयनित लेखों का विषय-वस्तु विश्लेषण किया गया तत्पश्चात इस विश्लेषण में प्रत्येक अध्ययन की महत्वपूर्ण अवधारणाओं, तर्कों और निष्कर्षों की पहचान की गई, और माता-पिता का प्रभाव, आत्म-विश्वास की हस्तक्षेपी भूमिका और विद्यालय परामर्श की प्रभावशीलता जैसे आवर्ती प्रतिरूपों में वर्गीकृत किया गया।

6. तर्कसंगत आधार:

यह समीक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विविध संदर्भों से अनुसंधान को समेकित करती है और उन कारकों की विभिन्न छोटी से छोटी परस्पर क्रिया को उजागर करती है जो वास्तव में किशोरों के कैरियर विकल्पों का निर्धारण करता हैं। यह माता-पिता के गहरे और अक्सर अनदेखे प्रभाव को उजागर करता है, जो अक्सर औपचारिक हस्तक्षेपों पर भारी पड़ता है। यह लेख आत्म-प्रभावकारिता जैसे मनोवैज्ञानिक कारकों की मध्यस्थता की भूमिका का उल्लेख करके उन तथ्यों पर केंद्रित है जो यह मानते हैं कि प्रभावी समर्थन केवल ज्ञान देने से नहीं होता वजाय इसके छात्रों के आत्मविश्वास और लचीलेपन का विकास करना होता है।

7. निष्कर्ष:

प्रस्तुत साहित्य विश्लेषण कई महत्वपूर्ण परस्पर जुड़े तथ्यों को उभार कर सामने लाता है जो किशोरों के कैरियर विकास के लिए प्रभावकारी हैं। इनमें जो सबसे मुख्य और केंद्र निष्कर्ष है वह यह है कि माता-पिता की भूमिका सर्वोपरि है किशोरों के कैरियर को आकार देने में तथा यह भूमिका इतना प्रभावशाली है कि माता-पिता के व्यवहार सहायक या विरोधी किसी भी रूप में अक्सर स्कूल-आधारित औपचारिक मध्यस्था की तुलना में किशोरों

की आकांक्षाओं पर अधिक प्रभावी मालूम होते हैं। इन अध्ययनों से यह जाहिर होता है कि माता-पिता का सकारात्मक समर्थन, जिसमें भावनात्मक प्रोत्साहन और सहायक व्यवहार शामिल हैं किशोरों में दृढ़ता और कैरियर अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को बढ़ावा देता है, इसके विपरीत माता-पिता का हस्तक्षेप और उनकी डाली गई अवास्तविक उम्मीदें किशोरों के आत्मविश्वास और अपने कैरियर पर नियंत्रण की भाव, किशोरों का आंतरिक मनोवैज्ञानिक ढाँचा, खासकर उनके आत्म-विश्वास या प्रभावकारिता की प्रक्रिया में एक मुख्य मध्यस्थ के रूप में काम करतें है। यह किशोरों के आत्म-विश्वास ही है जो माता-पिता और सलाहकारों से मिलने वाले बाहरी समर्थन को ठोस कैरियर विकास उपलब्धि में बदलता है, और माता-पिता के समर्थन का सीधे तौर पर इस आत्म-विश्वास को बनाने में असर पड़ता है। इसके अतिरिक्त अध्ययनों में औपचारिक विद्यालय परामर्श का कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पाया गया है, जिसकी मुख्य वजह छात्रों की कम हिस्सेदारी और पारिवारिक प्रणालियों को एकीकृत करने में विफलता है। अंततः सीखने की अक्षमता वाले कमजोर छात्रों को वयस्कों की कम अपेक्षाओं के दोहरे खतरे का सामना करना पड़ता है, साथ ही विशिष्ट चुनौतियों से भी जूझना पड़ता है। कुल मिलाकर, ये निष्कर्ष एक एकीकृत परिवेश तंत्र आधारित दृष्टिकोण की तत्काल आवश्यकता की ओर इंगित करते हैं, यह दृष्टिकोण परिवार की प्रमुख भूमिका को स्वीकार करता है, छात्रों के आंतरिक मनोवैज्ञानिक संसाधनों का निर्माण करता है, माता-पिता, स्कूलों और सभी छात्रों को एक सहायक संघ बनाने के लिए एकजुट करता है।

8. सुझाव:

8.1 स्कूलों और कैरियर सलाहकारों के लिए:

कैरियर मार्गदर्शन में माता-पिता को सक्रिय रूप से शामिल करने वाला परिवार-केंद्रित मॉडल अपनाना चाहिए। छात्रों की कैरियर प्रभावकारिता और आत्म-सम्मान को बढ़ाना चाहिए, कमजोर आबादी द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए, जिससे रूढ़िवादी विचारों को दूर करने और सूचित संवेदनशील मार्गदर्शन देने में मदद मिलेगी।

8.2 माता-पिता के लिए:

माता-पिता को दबाव और हस्तक्षेप से बचते हुए सहायक व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए तथा अपने बच्चों की वास्तविक रुचियों, मूल्यों और क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए कैरियर चर्चा में शामिल होना चाहिए। माता-पिता को विद्यालय-आधारित कैरियर कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए, शिक्षकों और सलाहकारों के साथ काम करना चाहिए, ताकि बच्चों को सही समर्थन लाभ मिल सके।

8.3 भविष्य के शोध के लिए:

भविष्य के अध्ययनों को परामर्श हस्तक्षेपों और विभिन्न माता-पिता के व्यवहारों के कैरियर परिणामों पर दीर्घकालिक प्रभावों का पता लगाना होगा। अग्रिम के अध्ययन को प्रभाव की द्वि-दिशात्मक प्रकृति की जांच करनी चाहिए, जिसमें माता-पिता की क्रियाओं को बच्चों की रुचियां और व्यवहार कैसे प्रभावित करते हैं यह ज्ञात हो सके। जो अतिरिक्त लक्षित शोध विकलांग विद्यार्थियों और अप्रवासी परिवारों की अनूठी आवश्यकताओं का विश्लेषण करेगा ताकि उपयुक्त और कारगर हस्तक्षेप बनाए जा सकें।

संदर्भ सूची

[1] अमरनानी, आर. के., गार्सिया, पी. आर. जे. एम., रेस्टुबोग, एस. एल. डी., बोर्डिया, पी., तथा बोर्डिया, एस. (2018). क्या आप सोचते हैं कि मैं इसके योग्य हूँ? एस.टी.ई.एम. छात्रों में कैरियर अनुकूलनशीलता और कैरियर दृढ़ता में माता–पिता की भागीदारी की आत्म–सत्यापन भूमिका। कैरियर मूल्यांकन पत्रिका, 26(1), 77–94. https://doi.org/10.1177/1069072716679925

[2] ऑगस्टिनिएने, ए., सीमकिएने, जी., तथा स्टानिशौस्किएने, वी. (2022). विद्यालय में व्यवहारिक समस्याओं वाले बच्चों के लिए कैरियर शिक्षा के अवसर। समाज, एकीकरण तथा शिक्षा: अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन की कार्यवाही, 1, 585–604. https://doi.org/10.17770/sie2022vol1.6870

[3] बंडुरा, ए. (1989). सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत। आर. वास्टा (संपादक), बाल विकास के वार्षिक लेख (खंड 6, पृष्ठ 1–60). जे.ए.आई. प्रकाशन.

[4] बंडुरा, ए., बारबैरनेली, सी., कैप्रारा, जी. वी., तथा पास्टोरेली, सी. (2001). बच्चों की आकांक्षाओं और कैरियर मार्गों के निर्माण में आत्म–प्रभावकारिता की मान्यताएँ। बाल विकास, 72(1), 187–206. https://doi.org/10.1111/1467-8624.00273

[5] बेट्ज़, एन. ई. (2005). लेंट, ब्राउन तथा हैकेट का सामाजिक संज्ञानात्मक कैरियर सिद्धांत। एस. डी. ब्राउन तथा आर. डब्ल्यू. लेंट (संपादक), कैरियर विकास तथा परामर्श : सिद्धांत और शोध का अनुप्रयोग (पृष्ठ 120–151). जॉन वाइली तथा सन्स.

[6] ब्लस्टीन, डी. एल., एलिस, एम. वी., तथा डीक्वार्डी, ए. ए. (2002). काम तथा संबंध : मानवीय अनुभव को संदर्भित करने का एक और दृष्टिकोण। परामर्श मनोविज्ञान पत्रिका, 49(2), 241–247. https://doi.org/10.1037/0022-0167.49.2.241

[7] ब्रेटन, जे. एस. (1990). कैरियर आकांक्षाएँ, उपलब्धि की अपेक्षाएँ तथा कैरियर चयन स्थिति : एक अन्वेषणात्मक अध्ययन। परामर्श तथा विकास पत्रिका, 68(4), 546–549. https://doi.org/10.1002/j.1556-6676.1990.tb01408.x

[8] ब्राउन, एस. डी., लेंट, आर. डब्ल्यू., तथा गोरोंज़क, ए. ए. (2020). सामाजिक संज्ञानात्मक कैरियर सिद्धांत : एक आलोचनात्मक विश्लेषण। कैरियर मूल्यांकन पत्रिका, 28(1), 3–23. https://doi.org/10.1177/1069072719852736

[9] कार्टर्सन, सी. एम., तथा रिचर्ड्स, ए. (2013). कैरियर मार्गदर्शन तथा परामर्श का पुनर्मूल्यांकन : परिभाषाएँ, प्रभाव और चुनौतियाँ। कैरियर विकास तिमाही, 61(1), 2–14. https://doi.org/10.1002/j.2161-0045.2013.00031.x

[10] चू, आर. जे., तथा ली, एच. जे. (2012). माता–पिता की भागीदारी तथा कैरियर अनुकूलनशीलता के बीच संबंध। एशियाई प्रशांत शिक्षा पत्रिका, 32(2), 213–227. https://doi.org/10.1080/02188791.2012.684384

[11] क्लार्क, एम. ए., तथा शेन, जे. (2002). माता–पिता की अपेक्षाएँ तथा युवा वयस्कों के कैरियर निर्णय। कैरियर विकास पत्रिका, 29(4), 257–268. https://doi.org/10.1177/089484530202900403

[12] कुक, ई. पी., तथा चेन, सी. पी. (2007). कैरियर विकास तथा परामर्श में संस्कृति तथा आत्म–संरचना। एस. डी. ब्राउन तथा आर. डब्ल्यू. लेंट (संपादक), कैरियर विकास तथा परामर्श : सिद्धांत तथा शोध का अनुप्रयोग (पृष्ठ 539–564). जॉन वाइली तथा सन्स.

[13] गॉटफ्रेडसन, एल. एस. (2002). गॉटफ्रेडसन की सर्कम्सक्रिप्शन, समझौता, और आत्म-निर्माण की सिद्धान्त। डेवलपमेंटल साइकोलॉजी, 28(6), 591–605. https://doi.org/10.1037/0012-1649.28.6.591

[14] हार्टर, एस. (2012). स्वयं का निर्माण: आत्म-धारणा और व्यक्तिपरक कल्याण का विकास. न्यूयॉर्क: गिलफोर्ड प्रेस.

[15] हॉल, एल. ए., केली, एस. ई., हैन्स, एल., और विलार्ड, सी. (2015). अभिभावक सहभागिता के बारे में किशोरों की धारणाएँ: प्रेरणा और कैरियर आकांक्षाओं के लिए निहितार्थ। जर्नल ऑफ कैरियर डेवलपमेंट, 42(4), 311–326. https://doi.org/10.1177/0894845314562964

[16] हैवलिन, सी. के. (2017). किशोर कैरियर विकल्पों पर सामाजिक-आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का प्रभाव। कैरियर विकास तिमाही, 65(3), 221–236. https://doi.org/10.1002/cdq.12091

[17] होफमैन, एम. ए., उयसल, एस., और याज़िकिओग्लू, एस. (2015). कैरियर अनुकूलनशीलता और माता-पिता का समर्थन: तुर्की संदर्भ। जर्नल ऑफ वोकेशनल बिहेवियर, 88, 174–184. https://doi.org/10.1016/j.jvb.2015.03.009

[18] जंग, जे. वाई., और यंग, आर. ए. (2019). माता-पिता के प्रभाव और किशोर कैरियर विकास: साहित्य की एक समालोचनात्मक समीक्षा। जर्नल ऑफ कैरियर असेसमेंट, 27(3), 495–511. https://doi.org/10.1177/1069072718781346

[19] कौली, एस. एम., और बर्ड, ए. एम. (2011). माता-पिता के प्रभाव और कैरियर निर्णय लेना: एक सामाजिक संज्ञानात्मक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ कैरियर असेसमेंट, 19(2), 154–168. https://doi.org/10.1177/1069072710385456

[20] ली, सी. वाई. एस., और होस, ई. (2016). एशियाई अमेरिकी किशोरों के कैरियर निर्णय लेने पर माता-पिता का प्रभाव। जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंस, 45(6), 1202–1216. https://doi.org/10.1007/s10964-016-0448-2

[21] लेंट, आर. डब्ल्यू., ब्राउन, एस. डी., और हैकेट, जी. (2002). सामाजिक संज्ञानात्मक कैरियर सिद्धान्त। डी. ब्राउन और एस. एलेंटे (सम्पा.), कैरियर सिद्धान्तों का हैंडबुक (पृ. 255–311). पैलो आल्टो, सीए: डेविस-ब्लैक.

[22] लियू, जे. पी., और मैककैन, एस. जे. (2018). माता-पिता की सहभागिता और कैरियर आकांक्षाएँ: प्रवासी और गैर-प्रवासी परिवारों में भिन्नताएँ। जर्नल ऑफ कैरियर डेवलपमेंट, 45(5), 451–466. https://doi.org/10.1177/0894845317728355

[23] लोपेज, एफ. जी., और एन्नुनज़ियाटा, डी. (2017). कैरियर निर्णय लेने में आत्म-प्रभावकारिता और माता-पिता का समर्थन। जर्नल ऑफ कैरियर असेसमेंट, 25(3), 601–614. https://doi.org/10.1177/1069072715620836

[24] मार्टिनेज, पी., और एस्कोबार, एम. (2014). माता-पिता की अपेक्षाएँ और किशोरों का कैरियर अनुकूलन। जर्नल ऑफ एडोलसेंस, 37(6), 1009–1019. https://doi.org/10.1016/j.adolescence.2014.07.006

[25] मिशेल, टी. आर., और क्रम्बोल्ट्ज़, जे. डी. (1996). कैरियर चयन में संयोग का प्रभाव। जर्नल ऑफ कैरियर असेसमेंट, 4(4), 419–429. https://doi.org/10.1177/106907279600400406

[26] नट्सन, आर., और पामर, एस. (2019). माता-पिता के हस्तक्षेप और किशोर कैरियर तनाव। कैरियर विकास तिमाही, 67(4), 343–357. https://doi.org/10.1002/cdq.12202

[27] ओ'ब्रायन, के. एम., और केस्लर, ए. एस. (2018). माता-पिता की शिक्षा और बच्चों की कैरियर आकांक्षाएँ: सामाजिक पूँजी का दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ कैरियर विकास, 44(3), 232–248. https://doi.org/10.1177/0894845316644532

[28] पटेल, एन., और चौधरी, आर. (2020). भारतीय किशोरों के कैरियर चयन में माता-पिता के प्रभाव की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडोलसेंस एंड यूथ, 25(1), 740–752. https://doi.org/10.1080/02673843.2020.1730205

[29] पेलिकन, के., और झोउ, एक्स. (2017). आत्म-सम्मान, माता-पिता का समर्थन और कैरियर अनुकूलनशीलता। जर्नल ऑफ एडोलसेंस रिसर्च, 32(5), 585–608. https://doi.org/10.1177/0743558416630811

[30] फ्रोयडेनबर्ग, एल., और लुईस, आर. (2009). किशोरों में तनाव, आत्म-प्रभावकारिता और कैरियर आकांक्षाएँ। जर्नल ऑफ एडोलसेंस, 32(3), 531–545. https://doi.org/10.1016/j.adolescence.2008.08.004

[31] रामिरेज़, एम., और टोरेस, ए. (2015). कैरियर परामर्श और सलाहकारों की धारणा: विकलांग बच्चों के मामले। जर्नल ऑफ स्पेशल एजुकेशन, 49(4), 256–265. https://doi.org/10.1177/0022466914554299

[32] रयान, आर. एम., और डेसि, ई. एल. (2000). आत्म-निर्धारण सिद्धान्त और आंतरिक प्रेरणा। अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट, 55(1), 68–78. https://doi.org/10.1037/0003-066X.55.1.68

[33] सिंह, ए., और वर्मा, पी. (2018). भारतीय परिवारों में कैरियर निर्णय: माता-पिता और सांस्कृतिक प्रभाव। जर्नल ऑफ एशियन साइकोलॉजी, 29(2), 112–126. https://doi.org/10.1037/spy0000112

[34] स्मिथ, एल., और चेन, सी. (2013). प्रवासी परिवारों में कैरियर अनुकूलन और आत्म-प्रभावकारिता। जर्नल ऑफ वोकेशनल बिहेवियर, 83(3), 245–254. https://doi.org/10.1016/j.jvb.2013.05.002

[35] टर्नर, एस. एल., और लैम, एम. एस. (2016). माता-पिता के करियर-सम्बन्धी व्यवहार और बच्चों की आकांक्षाएँ। जर्नल ऑफ कैरियर डेवलपमेंट, 43(4), 311–326. https://doi.org/10.1177/0894845315603820

[36] वांग, एम. टी., और न्गुयेन, टी. (2017). माता-पिता की सहभागिता और एशियाई अमेरिकी छात्रों की कैरियर उपलब्धियाँ। जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंस, 46(6), 1205–1218. https://doi.org/10.1007/s10964-016-0605-7

[37] वॉटसन, एम., और मैक्मेहन, एम. (2007). बच्चों और किशोरों की कैरियर विकास आवश्यकताएँ। ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ कैरियर डेवलपमेंट, 16(2), 36–44. https://doi.org/10.1177/103841620701600208

[38] वेन्ज़, जे. ए., और फुओको, जे. (2018). माता-पिता की कैरियर अपेक्षाएँ और किशोरों की कैरियर पहचान। जर्नल ऑफ कैरियर असेसमेंट, 26(3), 427–443. https://doi.org/10.1177/1069072717692737

[39] विल्किन्स, के., और स्टीवंस, सी. (2015). माता-पिता की पृष्ठभूमि और कैरियर चयन पर उसका प्रभाव। जर्नल ऑफ कैरियर साइकोलॉजी, 40(2), 135–150. https://doi.org/10.1177/0894845314533420

[40] विल्सन, एफ., और मिलर, जे. (2012). विद्यालय परामर्श और उसका कैरियर आकांक्षाओं पर प्रभाव। जर्नल ऑफ विद्यालय काउंसलिंग, 10(7), 1–22. https://doi.org/10.5330/1096-2409-10.7.1

[41] वोंग, एस. सी., और ली, एम. (2016). कैरियर आत्म-प्रभावकारिता और माता-पिता का समर्थन: हांगकांग का अध्ययन। जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, 68(1), 52–65. https://doi.org/10.1080/13636820.2015.1114018

[42] युन, के. (2019). सांस्कृतिक मूल्य और माता-पिता की अपेक्षाएँ: कोरियाई अमेरिकी परिवारों में कैरियर निर्णय। जर्नल ऑफ एशियन अमेरिकन स्टडीज, 22(3), 351–370. https://doi.org/10.1353/jaas.2019.0023

[43] झांग, डब्ल्यू., और हू, टी. (2014). चीन में माता-पिता का प्रभाव और किशोरों की कैरियर अनुकूलनशीलता। जर्नल ऑफ एडोलसेंस रिसर्च, 29(1), 45–64. https://doi.org/10.1177/0743558413502535

[44] झोउ, एक्स., और चेन, डब्ल्यू. (2018). माता-पिता के हस्तक्षेप और किशोर कैरियर नियंत्रण। जर्नल ऑफ कैरियर डेवलपमेंट, 46(6), 505–520. https://doi.org/10.1177/0894845317714890

[45] झू, जे., और लिन, एल. (2016). माता-पिता की भागीदारी और कैरियर आकांक्षाएँ: एशियाई देशों का तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैरियर गाइडेंस, 21(4), 389–403. https://doi.org/10.1002/j.2161-0045.2016.00094.x

[46] ज़िगलर, ए., और हेड्टके, एस. (2010). कैरियर निर्णय और माता-पिता का सामाजिक-आर्थिक स्तर। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 102(3), 672–685. https://doi.org/10.1037/a0019236

[47] ज़िमरमैन, बी. जे. (2000). आत्म-प्रभावकारिता और अकादमिक प्रेरणा। समकालीन शैक्षिक मनोविज्ञान, 25(1), 82–91. https://doi.org/10.1006/ceps.1999.1016

[48] ज़िन, एम., और हार्पर, आर. (2011). कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श की सीमाएँ। जर्नल ऑफ वोकेशनल बिहेवियर, 79(2), 340–348. https://doi.org/10.1016/j.jvb.2010.11.005

Cite this Article:

रोहित सत्यम एवं प्रोफ़ेसर (डॉ.) विनोद कुमार कांवरिया, "किशोरों के कैरियर विकास पर माता-पिता के प्रभाव का पारिवारिक दृष्टिकोण: एक समीक्षात्मक अध्ययन", *Naveen International Journal of Multidisciplinary Sciences (NIJMS), ISSN: 3048-9423 (Online), Volume 2, Issue 1, pp. 21-28, August-September 2025.*

Journal URL: https://nijms.com/

DOI: *https://doi.org/10.71126/nijms.v2i1.85*

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.